माइक्रोसॉफ्ट कंपनी नोएडा में बनाएगी डेवलपमेंट सेंटर

15 एकड़ पर नक्शा पास कराने के लिए किया आवेदन, 6 हजार लोगों को मिलेगा रोजगार

माई सिटी रिपोर्टर

नोएडा। कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर बनाने वाली अग्रणी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट नोएडा में डेवलपमेंट सेंटर बनाएगी। जहां कंपनी के इंजीनियर नए सॉफ्टवेयर डेवलप करेंगे। नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे किनारे करीब 15 एकड़ में बनाए जाने वाले सेंटर में आईटी सेक्टर से जुड़े छह हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। कंपनी यहां करीब दो हजार करोड़ का निवेश करेगी।

माइक्रोसॉफ्ट की तरफ से परियोजना के लिए तीन टावर की इमारत बनाने के लिए नक्शे का आवेदन नोएडा प्राधिकरण में किया गया है। कंपनी प्रतिनिधियों की तरफ से प्राधिकरण अधिकारियों को डेवलपमेंट सेंटर परियोजना के बारे में पूरी जानकारी दी गई है। प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि कंपनी दो चरणों में इमारत का निर्माण कार्य पूरा कराएगी। पहले चरण में तीन टावर व उनके उपयोग के लिए पार्किंग का निर्माण होगा।

जिसके बाद दूसरे चरण का कार्य शुरू होगा। खास बात यह है कि माइक्रोसॉफ्ट की ओर से पेश किए गए नक्शे में तीनों टावर की ऊंचाई अधिकतम के मानक से कम है। कंपनी परिसर में ग्रीन एरिया ज्यादा ज्याद है। प्राधिकरण की तरफ से जब बताया गया कि टावर की और ऊंचाई उपलब्ध एफएआर के हिसाब से बढ़ाई जा सकती है, इस पर कंपनी की तरफ से अपने ऑफिस बिल्डिंग मानक सभी जगहों पर एक समान होने की जानकारी दी गई। यह भी बताया गया कि नक्शा पास होने के बाद मौके पर काम शुरू कराया जाएगा। 2027 तक डेवलपमेंट सेंटर शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। प्राधिकरण की तरफ से बताया गया कि नक्शा पास करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है जल्द ही पूरी कर ली जाएगी।

Microsoft

2000

करोड़ का होगा निवेश

2022 में आवंटित हुई थी जमीन

नोएडा प्राधिकरण ने 2022 में माइक्रोसॉफ्ट को जमीन आवंटित की थी। उस समय कंपनी की तरफ से यहां पर सॉफ्टवेयर पार्क और डेटा सेंटर की प्रस्तावित योजना की जानकारी दी गई थी। इसके बाद कंपनी की तरफ से नोएडा के इंफ्रा व कनेक्टिविटी का अध्ययन किया गया। जिसके बाद डेवलपमेंट सेंटर की योजना तैयार की गई। माइक्रोसॉफ्ट का यह प्लॉट एक्वा मेट्रो से कुछ ही दूरी पर है। यहां मेट्रो की कनेक्टिविटी है। इसके साथ ही नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे से भी जुड़ा हुआ है। जेवर में एयरपोर्ट भी चालू होने जा रहा है। ऐसे में हवाई कनेक्टिविटी के लिहाज से भी यह जगह अच्छी है।

पहले से कई परियोजनाएं प्रस्तावित

शहर में आईटी सेक्टर से जुड़ी हुई व सहायक डेटा सेंटर की कई परियोजनाएं भी आ चुकी हैं। इनमें अदाणी ग्रुप के दो डेटा सेंटर को प्राधिकरण ने जमीन आवंटित की हुई है। जमीन सेक्टर-80 और 62 में दी गई है। सेक्टर-62 के परियोजना में 2400 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है और 1350 लोगों को रोजगार के मौके मिलेंगे। वहीं सेक्टर-80 की परियोजना में 2500 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है, इससे यहां पर 1150 लोगों को रोजगार मिलेगा। इसमें एक परियोजना के प्लॉट का भू-उपयोग आईटी प्लॉट में बदला है। अग्रवाल असोसिएट समूह को सेक्टर-140 ए में 55 हजार वर्ग मीटर जमीन आईटी पार्क के लिए आवंटित हुई है। इस परियोजना में 450 करोड़ रुपये के निवेश और 29 हजार से ज्यादा रोजगार के नए मौके आएंगे।

> “ शहर में आईटी सेक्टर के विकास व रोजगार के नए मौके को लेकर प्राधिकरण प्रयासरत है। नोएडा में आईटी सेक्टर के विकास के लिए संभावनाएं व इंफ्रा मौजूद हैं। हम आने वाली कंपनियों को बेहतर इंफ्रा व अन्य सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। - डॉ. लोकेश एम, सीईओ, नोएडा प्राधिकरण